UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

एम ए हिन्दी **प्रथम वर्ष** प्रश्न कोष

कोर्स शीर्षक : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **कोर्स कोड :** एमएएचडी-01

सत्र- 2011–12

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सामान्य स्तर के प्रश्न

निम्नलिखित में सही (√)और गलत (×)का निशान लगाइये

1 **बिहारी मूलतः वीर रस के कवि थे।** **( )** (उत्तर के लिये देखें इकाई-16)

2 **रीतिकाल में श्रृंगारप्रधान काव्य रचा गया है।** **( )** (खण्ड-3 देखें)

3 **विद्यापति को मैथिल कोकिल कहा जाता है।** **( )** (उत्तर के लिये देखें इकाई-1)

4 **कबीर को भाषा का डिक्टेटर कहा जाता है।** **( )** (उत्तर के लिये देखें इकाई-6)

5 **रामचरितमानस .....भाषा में लिखी गया है। (मैथिली, अवधी)** (उत्तर के लिये देखें इकाई-4)

6 **बिहारी सतसई .....में लिखी गई है। (ब्रजभाषा, भोजपुरी)** (उत्तर के लिये देखें इकाई-16)

सामान्य स्तर के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न संख्या	उत्तर
1.	×
2.	√
3.	√
4.	√
5.	अवधी
6.	ब्रजभाषा

मध्यम स्तर के प्रश्न

1. **अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं। पंक्ति बिहारी द्वारा लिखी गई है। (√) या (×)**
2. **शब्द शक्ति के ..... के भेद होते हैं। (पाँच, तीन)** (अन्य स्रोत से)
3. **राम की शक्तिपूजा ..... ने लिखी है। (तुलसीदास , निराला)** (अन्य स्रोत से)

http://uou.ac.in

4. **निम्नलिखित पुस्तकों के साथ उनके कवियों का नाम सुमेलित कीजिए: (**इकाई10,3,5 व अन्य स्रोत **)**

(अ) रसिकप्रिया	**तुलसीदास**
(ब) कीर्तिलता	**केशवदास**
(स) बीजक	**विद्यापति**
(द)विनयपत्रिका	**कबीर**

5. **एक पंक्ति में उत्तर दीजिए**

कबीर की भाषा कैसी है? (इकाई-6)

6. **मीरा की भक्ति किस प्रकार की है?** (इकाई-14)

7 **निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके कवियों का नाम सुमेलित कीजिए:** (इकाई-10,12,18व अन्य स्रोत)

(अ) देसिल बयना सब जन मिट्ठा	**बिहारी**
(ब) भूषन बिनु न बिराजई कविता बनिता मित्त	**केशव**
(स) माला फेरत जुग भया , फिरा न मन का	**विद्यापति**
(द)बतरस लालच लाल की,मुरली धरी लुकाय	**कबीर**

8 **'अब लौं नसानी अब न नसैहों ' किस कवि की उक्ति है (इकाई,10)**

(अ) बिहारी

(ब) केशव

(स) तुलसीदास

(द) सूरदास

9 **निम्नलिखित में से कौन प्रेमाख्यानक काव्य है- (इकाई,1)**

(अ) पद्मावत

(ब) विनय पत्रिका

(स) सूरसागर

(द) अकबरनामा

10 **निम्नलिखित में से किसे भाषा का डिक्टेटर कहा जाता है (इकाई 5)**

(अ) कबीर

(ब) केशव

(स) तुलसीदास

(द) जायसी

मध्यम स्तर_के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न संख्या	**उत्तर**
1.	×
2.	**तीन**

http://uou.ac.in

3.	निराला
4.	(अ) केशवदास (ब) विद्यापति (स) कबीर (द) तुलसीदास
5.	कबीर की भाषा सधुक्कड़ी भाषा है।
6.	मीरा की भक्ति मधुरा भक्ति है।
7.	(अ) विद्यापति (ब) केशवदास (स) कबीर (द) तुलसीदास
8.	तुलसीदास
9.	पद्मावत
10.	कबीर

उच्च स्तर के प्रश्न

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए

1 सूरदास का दार्शनिक सिद्धांत ..... है। (अद्वैतवाद, शुद्धाद्वैत) (इकाई12)

2 किन्हीं पॉच संत कवियों के नाम बताइये। (खण्ड 2)

3 ख़ालिकबारी किसकी रचना है - (अन्य स्रोत)

(अ) बिहारी

(ब) जायसी

(स) तुलसीदास

(द)इनमें से किसी की नहीं

4 सूफी काव्यपरम्परा के पहले कवि कौन हैं ? (अन्य स्रोत)

अ) मुल्ला दाऊद

(ब)) जायसी

(स) अमीर खुसरो

(द)रसखान ?

उच्च स्तर_के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न संख्या	उत्तर
1.	शुद्धाद्वैत
2.	कबीर, रैदास, मलूकदास, नामदेव और नानक।
3.	इनमें से किसी की नहीं
4.	मुल्ला दाऊद

http://uou.ac.in

लघु उत्तरीय प्रश्न

<u>सामान्य स्तर के प्रश्न</u>

1. **विद्यापति की प्रतिनिधि रचनाओं का परिचय दीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-3)
2. **कबीर की भक्ति की प्रमुख विशेषतायें बताइये।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-6)
3. **पृथ्वीराज रासो की भाषा की प्रमुख विशेषतायें बताइये।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)
4. **विद्यापति की भक्ति भावना पर टिप्पणी लिखिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
5. **नागमती के चरित्र पर प्रकाश डालिए।**. (उत्तर के लिये देखें इकाई-8)
6. **आदिकाल की राजनैतिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-1)
7. **बिहारी सतसई की लोकप्रियता के प्रमुख कारण बताइये।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-16)
8. **सगुण भक्तिकाव्यधारा के बारे में बताइए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-16)
9. **रीतिकाल के रीतिमुक्त कवियों पर टिप्पणी लिखिए।(**खण्ड-3 के आधार पर तैयार करें)
10. **कबीर की भाषा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-6)
11. **कबीर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-5)
12. **भक्तिकाल की सामाजिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।(**खण्ड-2 के आधार पर तैयार करें)
13. **सूरदास की विरह भावना का वर्णन कीजिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-12)
14. **बिहारी के दोहों की विशेषताएँ बताइए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-16)
15. **भूषण के काव्य की विशेषतायें बताइये।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-22)

<u>मध्यम स्तर के प्रश्न</u>

16. **संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-**

दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति।
परति गाँठि दुरजन हिये, दई नई यह रीति
या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यों-ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जलु होइ॥(उत्तर के लिये देखें इकाई-15)

17. **संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-**

अंखियां हरि-दरसन की भूखी।
कैसे रहैं रूप-रस रांची ये बतियां सुनि रूखी॥
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब ये तौ नहिं झूखी।
अब इन जोग संदेसनि ऊधो, अति अकुलानी दूखी॥
बारक वह मुख फेरि दिखावहुदुहि पय पिवत पतूखी।
सूर,जोग जनि नाव चलावहु ये सरिता हैं सूखी॥(उत्तर के लिये देखें इकाई-11)

18. **संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-**

माई री! मैं तो लियो गोविंदो मोल।
कोई कहै छानै,कोई कहै छुपकै, लियो री बजंता ढोल।

http://uou.ac.in

कोई कहै मुहंघो, कोई कहै सुहंगो, लियो री तराजू तोल।
कोई कहै कारो, कोई कहै गोरो,लियो री अमोलिक मोल।
या ही कूं सब जाणत है, लियो री आँखी खोल।
मीरा कूं प्रभु दरसण दीज्यो, पूरब जनम को कोल।

19. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-
अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ झिझकैं कपटी जे निसाँक नहीं॥
घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक ते दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला, मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं॥(उत्तर के लिये देखें इकाई-20)
20. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए
ऐसी मूढता या मन की।
परिहरि रामभगति-सुरसरिता, आस करत ओसकन की।
धूम समूह निरखि-चातक ज्यौं, तृषित जानि मति धन की।
नहिं तहं सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।
ज्यौं गज काँच बिलोकि सेन जड़ छांह आपने तन की।
टूटत अति आतुर अहार बस, छति बिसारि आनन की।
कहं लौ कहौ कुचाल कृपानिधि, जानत हों गति मन की।
तुलसिदास प्रभु हरहु दुसह दुख, करहु लाज निज पन की।(उत्तर के लिये देखें इकाई-9)
21. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-
जय जय भैरवि असुर-भयाउनि, पशुपति भामिनी माया।
सहज सुमति वर दिअ हे गोसाऊनि, अनुगति गति तुअ पाया।।
वासर रैन सवासन शोभित, चरण चन्द्रमणि चूडा।
कतओक दैत्य मारि मुख मेलल, कतओ उगलि कय कूडा।।
साँवर वरन नयन अनुरंजित, जलद जोग फूल कोका।
कट-कट विकट ओठ पुट पांडरि, लिधुर फेन उठि फोका।।
घन-घन घनन घुँघरू कत बाजय, हन-हन कर तुअ काता।
विद्यापति कवि तुअ पद सेवक, पुत्र बिसरू जनु माता।।
(उत्तर के लिये देखें इकाई-3)

22. पद्मावत में समासोक्ति है अथवा अन्योक्ति । स्पष्ट कीजिए।(उत्तर के लिये देखें इकाई-8)
23. बिहारी सतसई की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए। (उत्तर के लिये देखें इकाई-16)
24. घनानन्द के काव्य में वर्णित लोकोक्तियों पर टिप्पणी लिखिए।(उत्तर के लिये देखें इकाई-20)
25. सिद्ध कीजिए कि भूषण साम्प्रदायिक संकीर्णता से बँधे हुए कवि नहीं थे।(उत्तर के लिये देखें इकाई-22)
26. चारण काव्य परम्परा पर प्रकाश डालिए।(उत्तर के लिये देखें इकाई-1व 2 की सहायता लें)
27. जायसी के प्रकृति चित्रण पर एक सारगर्भित टिप्पणी कीजिए।(उत्तर के लिये देखें इकाई-8)
28. पृथ्वीराज रासो की ऐतिहासिकता पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)
29. मीरा की भक्ति का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।(उत्तर के लिये देखें इकाई-14)

ignou.ac.in

30. **सूरदास का बाललीला वर्णन अद्वितीय है। स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-12)
31. **तुलसी की भाषा का मूल्यांकन कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
32. **सूर के भ्रमरगीत की विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-12)
33. **निर्गुण व सगुण भक्तिकाव्यधारा में क्या अन्तर है?(**खण्ड-2 के आधार पर तैयार करें)
34. **रीतिकाल के प्रमुख आचार्य कवियों के रीतिग्रन्थों का परिचय दीजिए।(**खण्ड-3 के आधार पर तैयार करें)
35. **रीतिबद्ध व रीतिसिद्ध कवियों का भेद बताइये।(**खण्ड-3 के आधार पर तैयार करें)
36. **'भूषण रीतिकाल के एकमात्र कवि हैं, जिन्होंने श्रृंगारिकता से हटकर वीरता और देशप्रेम के वर्णन से कविता को गौरव प्रदान किया।' विश्लेषित कीजिए।**
37. **विद्यापति और सूर की राधा के विरह वर्णन का भेद बताइये। (**उत्तर के लिये देखें इकाई-4 व 12)
38. **कबीर को भाषा का डिक्टेटर कहा जाता है, क्या यह सही है? यदि हॉ तो स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-6)
39. **सगुण और निर्गुण भक्ति काव्यधारा का भेद स्पष्ट कीजिए।(**खण्ड-2 के आधार पर तैयार करें)
40. **पृथ्वीराज रासो के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई2 की सहायता लें)

<u>उच्च स्तर के प्रश्न</u>

41. **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' के आधार पर विद्यापति की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-3)
42. **राधा और मीरा की भावना पर प्रकाश डालते हुए मीरा की भक्ति का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-14)
43. **विद्यापति को मैथिल कोकिल क्यों कहा जाता है, स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-3)
44. **तुलसी और कबीर के राम में अंतर स्पष्ट कीजिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-5 व 10)
45. **घनानन्द को प्रेम की पीर का कवि क्यों कहते हैं।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-20)
46. **रहस्यवाद से आप क्या समझते हैं? कबीर और जायसी की रहस्य भावना में भेद कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-6 व 8)
47. **समाज का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? अपने किसी प्रिय कवि का उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये स्वयं प्रयास करें)
48. **सिद्ध कीजिए कि रीतिकाल की तीन प्रमुख काव्यधाराओं-रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त में घनानन्द अंतिम काव्यधारा के अग्रणी कवि हैं।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-20)
49. **पद्माकर ने सजीव मूर्त विधान करने वाली कल्पना के द्वारा प्रेम और सौंदर्य का मार्मिक चित्रण किया है। स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-18)
50. **भक्त कवियों की रचनाओं ने तत्कालीन समाज को अपने समय की विसंगतियों से जूझने का सम्बल प्रदान किया। सोदाहरण बताइये।(खण्ड 3की सहायता से स्वयं उत्तर तलाशें)**

http://ignou.ac.in

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

सामान्य स्तर के प्रश्न

2. **चन्दबरदाई के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-1)
3. **घनानन्द के रचनाकार व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-20)
4. **विद्यापति के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-3)
5. **बिहारी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-15)
6. **पद्माकर के काव्य में व्यक्त श्रृंगार की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-18)
7. **भूषण के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-21)
8. **पद्मावत के आधार पर नागमती के विरह वर्णन पर प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)
9. **सूर के वात्सल्य वर्णन पर लेख लिखिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-12)
10. **विद्यापति के प्रकृति चित्रण की विशेषताआओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
11. **कबीर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
12. **जायसी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-7)
13. **तुलसीदास के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-9)
14. **मीराबाई के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-13)
15. **भूषण के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-21)
16. **पद्माकर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये देखें इकाई-17)

मध्यम स्तर के प्रश्न

17. **पृथ्वीराज रासो की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)
18. **पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)
19. **पद्मावत की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-8)
20. **विद्यापति की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
21. **भूषण के काव्य की विशेषताएँ विस्तार से प्रस्तुत कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-22)
22. **मुक्तक काव्य परम्परा में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-16)
23. **घनानन्द लोक से जुड़े कवि थे सिद्ध कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-20)
24. **विद्यापति भक्त कवि हैं अथवा श्रृंगार के कवि स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
25. **पद्माकर को लोकजीवन का कवि क्यों कहा जाता है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-18)
26. **सूरदास का बाललीला वर्णन अद्भुत है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-12)
27. **रीतिकालीन काव्य में घनानन्द के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।** (उत्तर के लिये इकाई-20 से सहायता लें)
28. **विद्यापति के काव्य में श्रृंगार और भक्ति की विवेचना कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)
29. **बिहारी ने गागर में सागर भर दिया है कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-16)

http://uou.ac.in

30. **पद्मावत में लोकसांस्कृतिक तत्व सम्मिलित है।इस कथन की विवेचना कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-8)

31. **मीरा की काव्यानुभूति और अभिव्यजंना पक्ष पर एक निबन्ध लिखिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-14)

32. **कबीर की कृतियों का परिचय देते हुए उनके सामाजिक आदर्शों पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-5)

33. **रामचरितमानस के आधार पर सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-10)

34. **पृथ्वीराज रासो में वीररस और श्रृंगाररस के समन्वय पर विस्तार में अपने विचार प्रकट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)

35. **भूषण युगान्तकारी कवि हैं ।आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-22)

36. **चन्दबरदाई चारण परम्परा के कवि है आप कहाँ तक सहमत हैं सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)

37. **चन्दबरदाई के रचनाकार व्यक्तित्व का परीक्षण कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-1)

38. **सिद्ध कीजिए विद्यापति अपरूप के कवि थे।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-4)

39. **गीतिकाव्य के जनक के रूप में विद्यापति के काव्य का विश्लेषण कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई4)

40. **जायसी की भाषा पर निबंध लिखिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई7)

41. **साम्प्रदायिक भेदभाव को दूर करने में कबीर के योगदान पर विवेचनात्मक लेख लिखिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-5)

<u>उच्च स्तर के प्रश्न</u>

42. **पद्मावत में वर्णित प्रकृति चित्रण नागमती के विरह की पीड़ा को और भी घनीभूत कर देता है ,सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-2)

43. **सूरदास ने काव्य में दसवे रस का निर्माण किया है इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-22 तथा स्वयं प्रयास करें)

44. **भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णिम काल कहा जाता है।सोदाहरण व्याख्या कीजिए।(खण्ड 3की सहायता से स्वयं उत्तर तलाशें)**

45. **रीतिकाल को रीतिमुक्त कवियों का क्या योगदान रहा है? सोदाहरण बताइये।(खण्ड 4 की सहायता से स्वयं उत्तर तलाशें)**

46. **रीति शब्द की व्याख्या करते हुए रीति काल के नाम की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।(खण्ड 4 की सहायता से स्वयं उत्तर तलाशें)**

47. **संस्कृत के अलंकार काव्य का विकास रीतिकाल में हुआ है।सिद्ध कीजिए।** (उत्तर के लिये स्वयं प्रयास करें व खण्ड 4 की सहायता लें)

48. **तुलसी कृत रामचरित मानस के सामाजिक आदर्शों और समाज पर उसके प्रभाव को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-10)

http://uou.ac.in

49. **कबीर की विचारधारा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।कबीर ने धार्मिक कट्टरता का विरोध किस तरह किया है, सोदाहरण बताइये।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-5 व 6)

50. **हिंदी की सूफी काव्य धारा से आप क्या समझते हैं?अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए पद्मावत की समीक्षा कीजिए।**(उत्तर के लिये देखें इकाई-8)

51. **सगुण एवं निर्गुण भक्ति काव्यधारा का अंतर स्पष्ट करते हुए दोनों का सम्यक् मूल्यांकन कीजिए।** (खण्ड 3की सहायता से स्वयं उत्तर तलाशें)

http://uou.ac.in